भाकृअनुप-केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान
क्षेत्रीय केंद्र-मोदीपुरम, मेरठ-250110 (उ.प्र.)
ICAR-Central Potato Research Institute
Regional Station-Modipuram-250110, Meerut (UP)
Tel.: 0121-2575497 (O) **Fax**: 0121-2576584; **Email**: cprirc.modipuram@icar.gov.in; cpric.modipuram@gmail.com, **Website**: http://cpric.res.in

डॉ मनोज कुमार
संयुक्त निदेशक

पत्रांक : 16-1/2020-21/
दिनांक : 03-01-2020

विज्ञप्ति

पश्चिमी-मध्य उत्तर प्रदेश में आलू की फसल में पिछेता झुलसा बीमारी के प्रबंधन सम्बन्धी सूचना

आजकल बारिश की वजह से आर्द्रता बनी हुई है. आकाश में बादल तथा रुक-रुक हल्की बारिश हो रही है तथा तापमान 10-23 डिग्री सेंटीग्रेड के मध्य चल रहे हैं. मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार ऐसी स्थिति अगले 3-4 दिनों तक बने रहने की संभावना है. मौसम की यह स्थिति आलू के फसल की पिछेता झुलसा बीमारी के लिए बेहद अनुकूल है. इस परिस्थिति में सभी आलू किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि-

- जिन किसान भाईयो की आलू की फसल में अभी पिछेता झुलसा बीमारी प्रकट नहीं हुई है, वे मेन्कोजेब या प्रोपीनेब या क्लोरोथेलोंनील युक्त फफूंदनाशक दवा का 0.2-0.25 प्रतिशत की दर से अर्थात 2.0-2.5 किग्रा दवा 1000 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टयेर छिड़काव तुरंत करें.
- जिन खेतों में बीमारी आ चुकी उनमें किसी भी सिस्टमिक फफूंदनाशक– साईमोक्सानिल + मेन्कोजेब या फेनोमिडोन + मेन्कोजेब या डाईमेथोमार्फ़ + मेन्कोजेब का 0.3 प्रतिशत (3.0 किलोग्राम प्रति हैक्टयेर 1000 लीटर पानी में) की दर से छिड़काव करें. यदि बारिश की संभावना बनी हुई है और पत्ती गीली हैं तो फफूंदनाशक के साथ 0.1 प्रतिशत स्टीकर का भी प्रयोग करें.
- फफूंदनाशक को दस दिन के अंतराल पर दोहराया जा सकता है. लेकिन बीमारी की तीव्रता के आधार पर इस अंतराल को घटाया या बढाया जा सकता है. किसान भाइयों को इस बात का भी ध्यान रखना होगा एक ही फफूंदनाशक का बार-बार छिड़काव न करें.
- किसी भी परिस्थिति में खेत में बारिश के पानी का जमा ना होने पाये.

(मनोज कुमार)